RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 9 अंक : 03 | लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

LK SAMYANG
www.lksamyang.com

HDFC BANK EASYEMI

2 YEAR Warranty

Prima Series

Beyond Lightweight

Portability • Practicality • Perfect for Creators

AF 16mm F2.8 P FE | AF 35mm F1.4 P FE | AF 85mm F1.8 P FE

For SONY Full Frame Cameras

INNOVATIVE TECH
DISTRIBUTION PVT LTD

Importer and Distributor for North India
308 A, 3rdFloor, NDM 1 Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi - 110034
Web: www.intechdistribution.com , Email : intechdelhi@gmail.com
Follow SAMYANG - INDIA NORTH on

Information & Sales - **011-43082205, 9050806575,** Service Centre- **9871272689**

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025

भले ही तस्वीरें आपको अतीत की तस्वीर बताती हो लेकिन यही तस्वीरें भविष्य के लिए आपके दरवाजे खोलती हैं। - शैली मान

Canon
Delighting You Always

सिनेमा-ग्रेड कैमरा

केवल क्रिएटर्स के लिए

Canon EOS R50V सिर्फ एक कैमरा नहीं है – ये एक पावरफुल टूल है, खास तौर पर क्रिएटर्स के लिए बनाया गया है। यह कंटेंट बनाने वालों, कहानी सुनाने वालों और विज़ुअल आर्टिस्ट्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका कॉम्पैक्ट साइज होने के बावजूद ये प्रोफेशनल क्वालिटी की वीडियो देता है। चाहे आप चलते-फिरते शूट कर रहे हों या कोई पूरा प्रोडक्शन सेटअप बना रहे हों, R50V आपको सिनेमा जैसा कंट्रोल और क्रिएटिव फ्रीडम देता है।

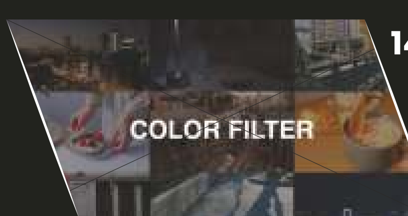

14 कलर फ़िल्टर्स

अपने स्टाइल को दिखाइए 14 इनबिल्ट क्रिएटिव फ़िल्टर्स के साथ। चाहे आपको गहरे और भावुक रंग चाहिए या चमकदार और जिंदादिल शेड्स, इन फ़िल्टर्स से आप बिना किसी LUTS या प्रीसेट के तुरंत अपना विज़ुअल टोन सेट कर सकते हैं।

स्लो-मो और फास्ट-मो

अब अपनी कहानी की रफ्तार आप तय कीजिए – इनबिल्ट स्लो मोशन और फास्ट मोशन कंट्रोल्स के साथ। इमोशंस को उभारना हो या एनर्जी भरनी हो – फ्रेम दर फ्रेम टेम्पो बदलना अब आसान है।

स्मूद मूवी-AF

अब फोकस वहीं रहेगा जहाँ ज़रूरी है। स्मूद मूवी ऑटोफोकस आपके सब्जेक्ट को क्लियर और शार्प बनाए रखता है, चाहे मूवमेंट हो रहा हो, फिर भी हर फ्रेम एकदम स्थिर और साफ़ दिखेगा।

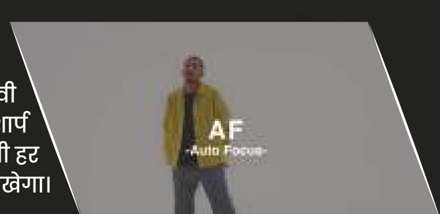

कैनन लॉग 3

पोस्ट-प्रोडक्शन में पाएं ज़्यादा क्रिएटिव आज़ादी। Canon Log 3 के साथ आपको वाइड डायनामिक रेंज, बेहतरीन हाईलाइट डिटेल और प्रोफेशनल कलर ग्रेडिंग की सुविधा।

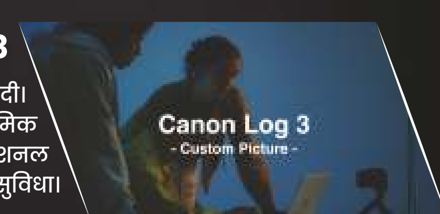

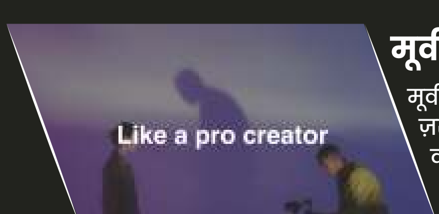

मूवी मोड डायल

मूवी मोड डायल से क्रिएटर्स को शूटिंग स्टाइल और ज़रूरी सेटिंग्स तक सीधा एक्सेस मिलता है, जिससे वो हर पल को तुरंत कैप्चर कर सकें।

रिच टोन 4:2:2 10-बिट

हर रंग को गहराई, सूक्ष्मता और परफेक्शन के साथ कैप्चर करें। EOS R50V 4:2:2 10-बिट में रिकॉर्ड कर सकता है, जिससे ग्रेडिएंट स्मूद होते हैं, एडिटिंग साफ होती है और हर वीडियो आपके विज़न को खूबसूरती से दर्शाता है।

मल्टी-कैम लाइव स्ट्रीमिंग

अपने सेटअप को एक लाइव स्टूडियो में बदल दीजिए। मल्टी-कैम लाइव स्ट्रीमिंग की मदद से आप आसानी से कैमरा एंगल और डिवाइस स्विच कर सकते हैं — और रियल टाइम में ब्रॉडकास्ट-क्वालिटी कंटेंट बना सकते हैं।

एक्सक्लूसिव लेंस किट

हर मास्टरपीस की शुरुआत एक सही लेंस से होती है। EOS R50V एक खास लेंस किट के साथ आता है, जो पावर ज़ूम की सुविधा देता है, इससे परफॉर्मेंस और बेहतर बनाता है – हर फ्रेम में शार्पनेस, फ्लेक्सिबिलिटी और क्रिएटिव कंट्रोल के साथ।

अधिक जानकारी के लिए in.canon पर जाएं।

सम्पादक की कलम से ...

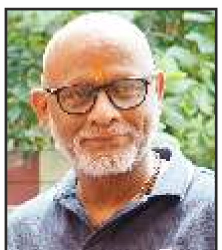

प्रिय फोटोग्राफर साथियों,

स्टूडियो न्यूज़ के सितम्बर 2025 अंक में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। भारत में फोटोग्राफी का परिदृश्य हमेशा से बदलता रहा है। कभी यह केवल कैमरे और रोल फिल्मों तक सीमित था, फिर डिजिटल कैमरा और अब मोबाइल फोटोग्राफी ने इसे आम आदमी की पहुँच तक ला दिया। लेकिन आज जिस परिवर्तन की आहट सबसे गहरी है, वह है जेनरेटिव AI। हाल ही में आई गिटहब की एक रिपोर्ट ने इस बदलाव की तस्वीर और भी साफ़ कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार जेनरेटिव AI के क्षेत्र में भारत दुनिया में दूसरे पायदान पर पहुँच चुका है और अनुमान है कि तीन साल तक भारत अमेरिका को पछाड़कर डेवलपर्स की संख्या में पहला स्थान हासिल कर लेगा।

यह आँकड़ा सिर्फ़ तकनीकी उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और कलात्मक प्रभाव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जेनरेटिव AI का अर्थ है ऐसी प्रणाली, जिसमें न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग की मदद से नए टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो और वीडियो तैयार किए जाते हैं। यानी वह सामग्री जो इंसानी रचनात्मकता से मेल खाती है, परंतु मशीन द्वारा निर्मित होती है।

कला को हमेशा से मानव अभिव्यक्ति का सबसे संवेदनशील माध्यम माना गया है। लेकिन डिजिटल युग ने इसे नई शक्ल दी है। अब कलाकार केवल ब्रश या कैमरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि AI टूल्स के सहारे वे अनगिनत प्रयोग कर सकते हैं। किसी भी फोटोग्राफ को AI की मदद से एक नई पेंटिंग का रूप दिया जा सकता है, या किसी साधारण विजुअल को विश्वस्तरीय क्रिएटिविटी में बदला जा सकता है।

यहाँ एक बड़ा सवाल भी उठता है कि जब मशीनें भी कला का निर्माण करने लगेंगी, तो असली कलाकार कौन होगा? असली रचनाकार इंसान या AI? यहीं पर एनएफटी (NFT) जैसी तकनीकें सामने आती हैं, जो यह प्रमाणित करती हैं कि किसी डिजिटल रचना का असली मालिक कौन है।

सोशल मीडिया ने फोटोग्राफी और आर्ट को पहले से कहीं ज्यादा तेज़ी से फैलाने का अवसर दिया है। आज इन्फ्लुएंसर केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं, बल्कि नई जीवनशैली और संस्कृति गढ़ रहे हैं। लेकिन इस दौर में निष्पक्ष बने रहना और सही संदेश देना भी उतना ही आवश्यक है। भारत जैसे देश में जहाँ युवा आबादी सबसे बड़ी ताक़त है, वहाँ इन्फ्लुएंसरों की ज़िम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे कला और तकनीक का प्रयोग सकारात्मक बदलावों के लिए करें। तकनीक जितनी सहूलियत देती है, उतना ही दबाव भी बढ़ाती है। हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल कंटेंट का अत्यधिक उपभोग मानसिक तनाव, अनिद्रा और अवसाद जैसी समस्याओं को जन्म दे रहा है। फोटोग्राफी और क्रिएटिव आर्ट्स से जुड़े लोगों के लिए यह और भी बड़ा खतरा है क्योंकि रचनात्मक दिमाग अक्सर संवेदनशील होते हैं। ऐसे में संतुलित उपभोग और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना उतना ही आवश्यक है, जितना तकनीक को अपनाना।

फोटोग्राफी और विजुअल आर्ट्स का भविष्य निस्संदेह AI और डिजिटल इनोवेशन से जुड़ा होगा। भारत के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि हम केवल तकनीक के उपभोक्ता न बनें, बल्कि इसके निर्माता भी बनें। आने वाले वर्षों में शायद स्टूडियो, कैमरे और कंप्यूटर, सभी मिलकर एक ऐसे हाइब्रिड स्पेस का निर्माण करेंगे जहाँ मानव की संवेदनशीलता और AI की शक्ति मिलकर कला की नई पहचान बनाएँगे। फोटोग्राफर, कलाकार और क्रिएटर्स के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण है, पर साथ ही अभूतपूर्व संभावनाओं से भरा हुआ भी।

स्टूडियो न्यूज़ का वचन है कि हम इस बदलाव की हर धड़कन को आपके सामने लाएँगे, ताकि फोटोग्राफर और आर्टिस्ट भी इस डिजिटल क्रांति के गवाह ही नहीं, बल्कि इसके सक्रिय सहभागी बन सकें।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, ललितपुर इकाई के पदाधिकारी ललितपुर के पुलिस अधीक्षक मो. मुस्ताक अहमद को **स्टूडियो न्यूज** पत्रिका की प्रति भेंट करते हुए

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

TAMRON ने Nikon Z और Canon RF माउंट के लिए लॉन्च किया ऑल-इन-वन जूम लेंस

TAMRON ने Nikon Z और Canon RF माउंट के लिए अपने बहुप्रतीक्षित 18-300mm F/3.5-6.3 Di III-A VC VXD (मॉडल B061) ऑल-इन-वन जूम लेंस को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह लेंस APS-C मिररलेस कैमरों के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसका जूम अनुपात 16.6x है।

TTArtisan ने लॉन्च किया फुल-फ्रेम 'नॉर्मल' लेंस

Sony E   Nikon Z

TTArtisan ने Sony E और Nikon Z माउंट कैमरों के लिए अपना नया AF 40mm F2 प्राइम लेंस लॉन्च करने की घोषणा की है। जल्द ही L-माउंट वर्जन भी उपलब्ध होगा। यह लेंस अपनी गति, कॉम्पैक्ट डिजाइन और किफायती कीमत के लिए जाना जाता है।

Meike ने लॉन्च किया 24mm F1.4 ऑटोफोकस लेंस

Meike ने Nikon Z, Sony E और L-माउंट के लिए अपना नया 24mm F1.4 'Mix' वाइड-एंगल फुल-फ्रेम ऑटोफोकस लेंस पेश किया है। यह लेंस विशेष रूप से उन क्रिएटर्स के लिए बनाया गया है जो फुल-फ्रेम में काम करते हैं। ऑटोफोकस के लिए इसमें स्टेपल मोटर का उपयोग किया गया है।

Antigravity ने पेश किया दुनिया का पहला 8K 360 ड्रोन 'A1'

Insta360 द्वारा इनक्यूबेटेड ड्रोन ब्रांड Antigravity ने अपना पहला उत्पाद, Antigravity A1 लॉन्च किया है। यह दुनिया का पहला ड्रोन है जो 8K 360-डिग्री कैप्चर क्षमता से लैस है। यह ड्रोन 360-डिग्री इमर्सिव फ्लाइंग अनुभव प्रदान करता है। A1 में डुअल-लेंस कैमरा सिस्टम है, जो ड्रोन को पूरी तरह से अदृश्य बनाते हुए चारों ओर की हर चीज़ को कैप्चर करता है। इसके सहज नियंत्रण (intuitive controls), Vision goggles और Grip controller के साथ, यह फोटोग्राफरों और क्रिएटर्स को हवाई फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का एक नया अनुभव देता है।

Viltrox ने लॉन्च किया किफायती लेंस क्लीनिंग किट

Viltrox ने फोटोग्राफरों के लिए एक किफायती और सुविधाजनक ऑल-इन-वन लेंस क्लीनिंग किट पेश किया है। यह किट विशेष रूप से उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो यात्रा करते हैं या बाहर शूटिंग करते हैं।

SIGMA ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट, अल्ट्रा-वाइड 12mm F1.4 लेंस

SIGMA ने APS-C मिररलेस कैमरों के लिए अपना नया 12mm F1.4 DC | Contemporary लेंस पेश किया है। यह लेंस SIGMA के DC Contemporary प्राइम लेंसों में सबसे छोटा और हल्का है, जिसका वजन केवल 7.9 औंस (लगभग 224 ग्राम) है, जो इसे यात्रा और व्लॉगिंग के लिए आदर्श बनाता है।

SIGMA ने लॉन्च किया दुनिया का पहला 200mm F2 टेलीफोटो प्राइम लेंस

SIGMA ने फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए 200mm F2 DG OS | Sports लेंस पेश किया है। यह दुनिया का पहला 200mm F2 टेलीफोटो प्राइम लेंस है जो विशेष रूप से फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। लेंस अपनी बड़ी F2 अपर्चर के कारण कम रोशनी और फास्ट एक्शन की फोटोग्राफी के लिए एकदम सही है।

Insta360 ने लॉन्च किया GO Ultra, एक पॉकेट-साइज कैमरा

Insta360 ने अपने नवीनतम और शक्तिशाली कॉम्पैक्ट कैमरे GO Ultra को पेश किया है। यह कैमरा 1/1.28-इंच के बड़े सेंसर और नए 5nm AI चिप के साथ आता है, जो 4K60fps वीडियो रिकॉर्ड करने में सक्षम है। इसमें IPX8 वॉटरप्रूफिंग और 2TB तक की रिमूवेबल स्टोरेज की सुविधा है। GO Ultra की बैटरी 70 मिनट तक चलती है, और एक्शन पॉड के साथ 200 मिनट तक का रनटाइम देती है।

Nikon ने लॉन्च किया NIKKOR Z 24-70mm f/2.8 S II लेंस

Nikon ने फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए अपना नया NIKKOR Z 24-70mm f/2.8 S II स्टैंडर्ड जूम लेंस पेश किया है। यह लेंस अपने वर्ग में सबसे हल्का है, जिसका वजन लगभग 675 ग्राम है। यह लेंस Silky Swift VCM (SSVCM) मोटर के साथ आता है, जो Nikon के इतिहास में सबसे तेज़ और सटीक ऑटोफोकसिंग प्रदान करता है। असाधारण इमेज क्वालिटी और फुर्ती के कारण लेंस फोटोग्राफरों और वीडियोग्राफरों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

Hasselblad ने लॉन्च किया XCD 2.8–4/35–100E जूम लेंस

Hasselblad ने फुल-फ्रेम इक्विवेलेंट 28-76mm फोकल लेंथ के साथ अपना नया XCD 2.8–4/35 –100E स्टैंडर्ड जूम लेंस पेश किया है। यह लेंस वाइड-एंगल से लेकर मीडियम टेलीफोटो तक की दूरी को कवर करता है। इसका f/2.8 का वाइडेस्ट अपर्चर कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन करता है और स्मूद बोकेह इफेक्ट देता है।

Laowa ने GFX और XCD माउंट के लिए लॉन्च किया 8-15mm f/2.8 फिशआई लेंस

Laowa ने अपने लोकप्रिय 8-15mm f/2.8 फुल-फ्रेम जूम फिशआई लेंस को अब Fujifilm GFX और Hasselblad XCD मीडियम-फॉर्मेट कैमरों के लिए भी उपलब्ध करा दिया है। यह लेंस विशेष रूप से फुल-फ्रेम कैमरों के लिए बनाया गया था, लेकिन अब यह मीडियम-फॉर्मेट यूजर्स को भी रचनात्मक स्वतंत्रता देगा।

DJI ने लॉन्च किया सबसे एडवांस वायरलेस माइक्रोफोनः DJI Mic 3

DJI ने अपने नए और सबसे आधुनिक वायरलेस माइक्रोफोन DJI Mic 3 को पेश किया है। यह अल्ट्रा-लाइट माइक्रोफोन बेहतरीन ऑडियो क्वालिटी और उन्नत फीचर्स के साथ आता है। यह एक साथ चार ट्रांसमीटरों और आठ रिसीवरों को सपोर्ट करता है, जिससे मल्टी-कैमरा शूटिंग और ग्रुप रिकॉर्डिंग आसान हो जाती है।

Viltrox अब L-माउंट अलायंस का हिस्सा

Viltrox, L-माउंट अलायंस में शामिल होने वाली दसवीं कंपनी बन गई है। यह कदम Viltrox को Leica Camera AG द्वारा विकसित L-माउंट स्टैंडर्ड का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह सहयोग Viltrox को भविष्य में और अधिक नए और उन्नत लेंस विकसित करने में सक्षम बनाएगा।

Nikon ने लॉन्च किया Zf फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरे का सिल्वर एडिशन

Nikon ने अपने Zf फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरे का नया सिल्वर एडिशन पेश किया है। यह नया रंग प्रतिष्ठित Nikon फिल्म कैमरों से प्रेरित है और एक रेट्रो डिजाइन के साथ आधुनिक प्रदर्शन को जोड़ता है। इसके साथ, Nikon ने तीन नए प्रीमियम एक्सटीरियर रंग भी पेश किए हैं: कॉग्नेक ब्राउन, टील ब्लू, और मौव पिंक।

SIGMA

SPORTS
200mm F2 DG OS

शिक्षा से निखरे प्रतिभा, बने सफलता की सीढ़ी

हृदगंधा गिरीश मिस्त्री
एडवर्टाइजिंग फ़ोटोग्राफ़र एवं निदेशक, गिरीश मिस्त्री की शारी अकादमी, मुंबई
@shari_academy | @thewayhridsees

मेरे लिए फोटोग्राफी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवन को महसूस करने, कहानियाँ बुनने और लोगों से दिल से जुड़ने का माध्यम है। यह मेरे देखने और जीने का तरीका है। लेकिन अफ़सोस, आज जब मैं हमारी इंडस्ट्री की सच्चाई देखती हूँ, तो एक बड़ी चुनौती सामने आती है, वही आधार जो इस कला और पेशे को मज़बूत बनाता है, यानी शिक्षा, अक्सर अनदेखी कर दी जाती है और उसका सही मूल्य नहीं समझा जाता।

आजकल यह सोच बढ़ती जा रही है कि फोटोग्राफी की शिक्षा तो मुफ्त या बेहद सस्ती होनी चाहिए। लेकिन सच यही है कि यही मानसिकता हमारी कला की नींव को खोखला कर रही है। अगर हम सीखने के मूल्य को नहीं समझेंगे, तो आने वाले कल की फोटोग्राफी भी अपनी पहचान और ताक़त खो देगी।

शिक्षा क्यों ज़रूरी है

फोटोग्राफी की शिक्षा सिर्फ़ शटर दबाना या सेटिंग्स बदलना सीखने तक सीमित नहीं है। यह नज़र पैदा करती है, अनुशासन सिखाती है, नैतिकता जगाती है और रचनात्मक ज़िम्मेदारी का एहसास कराती है।

एक अच्छा फोटोग्राफी प्रोग्राम सिर्फ़ तकनीकी हुनर से बढ़कर होता है। हाँ, छात्र कंपोजिशन, लाइटिंग, एडिटिंग और स्टूडियो वर्क सीखते हैं। लेकिन इसके साथ ही वे बिज़नेस, कीमत तय करना, कॉन्ट्रैक्ट, बौद्धिक अधिकार और कहानी कहने के बारे में भी सीखते हैं। यही वो सबक हैं जो किसी शौकिया फोटोग्राफर को पेशेवर बनाते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल और सोशल मीडिया वीडियो से टिप्स मिल सकते हैं, लेकिन वे आमने-सामने की ट्रेनिंग की गहराई की जगह नहीं ले सकते। वीडियो देखना वैसा नहीं है जैसा किसी मेंटर का आपको गाइड करना, आपकी गलतियों को सुधारना और आपको असली दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करना। जैसे मेडिकल वीडियो देखकर आप सर्जन नहीं बन जाते, वैसे ही लाइटिंग ट्यूटोरियल देखकर आप किसी कमर्शियल शूट के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो सकते।

एक अच्छा संस्थान क्या प्रदान करता है?

एक बढ़िया फोटोग्राफी स्कूल चलाने में समय, विशेषज्ञता और पैसा लगता है। इसके लिए अनुभवी शिक्षकों, पेशेवर कैमरों, लाइटिंग सिस्टम, मॉडिफायर्स, सॉफ्टवेयर लाइसेंस, एडिटिंग सूट और पूरी तरह से सुसज्जित स्टूडियो की ज़रूरत होती है। साथ ही, इसे सही ढंग से बनाए रखना और नियमित रूप से अपग्रेड करना भी ज़रूरी है।

असली कीमत तो टीम, मेंटर्स, तकनीशियन और गेस्ट प्रोफ़ेशनल्स की होती है, जो अपना ज्ञान साझा करते हैं और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हैं। इस स्तर की विशेषज्ञता और संसाधनों को मुफ्त में पाने की उम्मीद, उन वर्षों की मेहनत और प्रयास को कम आंकती है जिसने इसे बनाया।

यह गलतफ़हमी क्यों है?

फोटोग्राफी को अक्सर जुनून से भरा करियर माना जाता है, और जुनून ज़रूरी भी है। लेकिन सिर्फ़ जुनून आपको पेशेवर नहीं बनाता। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों की इज़्ज़त इसलिए होती है क्योंकि वहाँ एक तय पढ़ाई और लंबी ट्रेनिंग होती है।

फोटोग्राफी में, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के बढ़ने से शौकिया और पेशेवर काम के बीच का फर्क कम हो गया है। बहुत से लोग सोचते हैं कि सिर्फ़ कैमरा रखने या ऑनलाइन ट्यूटोरियल देखने से काम बन जाएगा। असली पेशेवर बनने के लिए संरचित शिक्षा और प्रशिक्षण ज़रूरी है, न कि कुछ भी इधर-उधर की टिप्स से।

असंरचित ऑनलाइन सीखने का एक बड़ा नुकसान यह है कि इसमें कीमत तय करने, कॉन्ट्रैक्ट, टीम वर्क और ईमानदारी जैसे ज़रूरी विषय छूट जाते हैं। एक पूरी और सही शिक्षा कौशल और व्यावसायिकता, दोनों का विकास करती है।

नई तकनीक और सीख में निरंतरता

यहां तक कि अच्छी शिक्षा के बाद भी, सीखना कभी बंद नहीं होता। कैमरे के नए सिस्टम से लेकर AI-आधारित एडिटिंग टूल तक, तकनीक लगातार बदल रही है। हमेशा अपडेट रहना बहुत ज़रूरी है।

पेशेवरों को वर्कशॉप में हिस्सा लेना चाहिए, सॉफ्टवेयर के हुनर को अपग्रेड करना चाहिए, लाइटिंग की नई तकनीकों को जानना चाहिए और दूसरे विशेषज्ञों से सीखना चाहिए। इससे न केवल उनकी रचनात्मक क्षमता बेहतर होती है, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री के मानकों को पूरा करने में भी मदद मिलती है।

लगातार सीखते रहने से एक फोटोग्राफर बाज़ार में हमेशा अपनी जगह बनाए रखता है, उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और उसकी इज़्ज़त भी होती है। इसका यह भी मतलब है कि वह अपनी विशेषज्ञता के लिए सही कीमत ले सकता है।

शिक्षा का मूल्य कम आंकने का नुकसान

जब फोटोग्राफर बिना सही प्रशिक्षण के मार्केट में आते हैं, तो अक्सर उन्हें अपने काम की कीमत तय करना नहीं आता। वे बिना भुगतान वाली नौकरियों को स्वीकार कर लेते हैं या अपने समय और कौशल के वास्तविक मूल्य से बहुत कम चार्ज करते हैं।

इससे एक गलत चलन शुरू होता है, जहाँ ग्राहक शुरूआती रेट पर पेशेवर क्वालिटी की उम्मीद करने लगते हैं। समय के साथ, इसका नुकसान केवल नए फोटोग्राफरों को ही नहीं बल्कि अनुभवी पेशेवरों को भी होता है।

यह विद्यार्थी की गलती नहीं है। यह उस इंडस्ट्री का परिणाम है जो शिक्षा को सही अहमियत नहीं देती।

हम सब मिलकर क्या कर सकते हैं

- **नए फोटोग्राफरों के लिए**

अपनी शिक्षा को एक निवेश के रूप में देखें। ऐसे स्कूल चुनें जो आपको चुनौती दें और असली दुनिया के काम के लिए तैयार करें।

- **माता-पिता और परिवारों के लिए**

अपने बच्चे के फ़ोटोग्राफ़ी पढ़ने के फ़ैसले का समर्थन करें। इसे भी उतना ही महत्व दें जितना आप किसी और पेशे की डिग्री को देते हैं।

- **शिक्षकों और संस्थानों के लिए**

सिर्फ़ कैमरे से आगे बढ़कर पढ़ाएँ। बिज़नेस, नैतिकता, कीमत तय करना और टीम वर्क को भी शामिल करें। छात्रों को सिर्फ़ स्टूडियो के लिए नहीं, बल्कि बाज़ार के लिए तैयार करें।

- **इंडस्ट्री के लिए**

प्रशिक्षित फोटोग्राफरों को काम पर रखें। उन बिना वेतन वाली इंटर्नशिप से बचें जो टैलेंट का फायदा उठाती हैं। ऐसे संस्थानों के साथ काम करें जो कुशल पेशेवर तैयार करते हैं।

- **ब्रांड्स और ग्राहकों के लिए**

विद्यार्थियों और युवा पेशेवरों के काम और मेहनत को महत्व दें। उन्हें मुफ्त मजदूर की तरह नहीं, बल्कि भविष्य के इंडस्ट्री लीडर्स की तरह सम्मान दें।

- **कामकाजी पेशेवरों के लिए**

अपने हुनर को लगातार अपग्रेड करते रहें। नए सॉफ्टवेयर सीखें, उभरती हुई तकनीकों में महारत हासिल करें और अपने ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करें।

निष्कर्ष

शिक्षा कोई विलासिता नहीं है। यह वह नींव है जो हमारे उद्योग को मज़बूत और सम्मानजनक बनाए रखती है। जब हम सीखने में निवेश करते हैं और अपने पूरे करियर के दौरान लगातार सीखते रहते हैं, तो हम ऐसे फोटोग्राफर तैयार करते हैं जो रचनात्मक, कुशल, नैतिक और आत्मविश्वास से भरपूर होते हैं।

आइए हम सब विद्यार्थी, मेंटर्स, शिक्षक, ब्रांड्स, क्लाइंट्स और परिवार मिलकर शिक्षा के महत्व को समझें, अपने कौशल को अपग्रेड करें और इंडस्ट्री को साथ मिलकर आगे बढ़ाएँ।

जब हम शिक्षा का सम्मान करते हैं, तो हम फोटोग्राफी की आत्मा की रक्षा करते हैं। और जब आत्मा मजबूत होती है, तो भविष्य उज्ज्वल होता है।

निकॉन द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

फोटोग्राफी वर्कशाप, अम्बेडकर (12 अगस्त 2025)

फोटोग्राफी वर्कशाप, मुसाफिरखाना, सुल्तानपुर (19 अगस्त 2025)

फोटोग्राफी वर्कशाप, निफ्ट वाराणसी (20 अगस्त 2025)

फोटोग्राफी वर्कशाप, लखनऊ (26 अगस्त 2025)

फोटोग्राफी वर्कशाप, खलीलाबाद (27 अगस्त 2025)

फोटोग्राफी वर्कशाप, देवरिया (28 अगस्त 2025)

अगर मेरे हाथ में कैमरा है तो मैं जानता हूं कि मुझे किसी तरह का डर नहीं है। - एलफ्रेड स्टिग्लिट्स

महान विभूतियाँ

एना-लू लाइबोविट्ज़

एना-लू लाइबोविट्ज़

एना-लू लाइबोविट्ज़ यहूदी मूल की एक अमेरिकी फ़ोटोग्राफ़र हैं। वे अपनी पोर्ट्रेट फ़ोटोग्राफ़ी के लिए सबसे ज़्यादा जानी जाती हैं, खासकर सेलिब्रिटी की तस्वीरों के लिए, जिनमें अक्सर लोगों को निजी माहौल और ख़ास पोज़ में दिखाया जाता है।

एना-लू लाइबोविट्ज़ का जन्म 2 अक्टूबर, 1949 को वाटरबरी, कनेक्टिकट, अमेरिका में हुआ था। वे वॉशिंगटन की नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में फ़ीचर प्रदर्शनी (एग्ज़िबिशन) करने वाली पहली महिला हैं।

लाइबोविट्ज़ 1970 के दशक में सिर्फ़ एक छात्रा थीं, जब उनकी तस्वीरें पहली बार प्रकाशित हुई थीं। ये तस्वीरें इज़राइल में वियतनाम युद्ध के विरोध करने वालों की थीं, जिन्हें उन्होंने रोलिंग स्टोन पत्रिका के लिए खींचा था। इनमें से एक तस्वीर मैगज़ीन के कवर पर भी छपी थी। इसके बाद से, उन्होंने फ़िल्म सितारों, नेताओं, खिलाड़ियों, शाही परिवारों और कलाकारों की तस्वीरें खींचीं, जो वैनिटी फ़ेयर, वोग और टाइम जैसी मशहूर पत्रिकाओं की ख़ास रिपोर्टों और कवर पेज पर छपीं।

वह तीसरी पीढ़ी की अमेरिकी हैं। उनके पिता अमेरिकी वायु सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल थे, जो रोमानियाई-यहूदी मूल के थे और उनकी माँ एक आधुनिक नृत्य (मॉडर्न डांस) प्रशिक्षक थीं, जो एस्टोनियाई-यहूदी मूल की थीं। फ़ोटोग्राफी के प्रति उनका प्यार बचपन से ही शुरू हुआ, जब उनके पिता ने उन्हें एक कैमरा दिया। अपने पिता की ड्यूटी पोस्टिंग के कारण परिवार को अक्सर जगह बदलनी पड़ती थी। जब उनके पिता वियतनाम युद्ध के दौरान फ़िलीपींस में तैनात थे, तब उन्होंने अपनी पहली तस्वीरें खींचीं। परिवार के फ़िलीपींस से लौटने के बाद, उन्होंने सैन फ्रांसिस्को आर्ट इंस्टिट्यूट में दाख़िला लिया, जहाँ उन्होंने पेंटिंग और फ़ोटोग्राफ़ी का अध्ययन किया। लाइबोविट्ज़ का कला के प्रति जुनून उनकी माँ से आया, जो नृत्य, संगीत और पेंटिंग में गहरी रूचि रखती थीं।

कई सालों तक लाइबोविट्ज़ का पसंदीदा कैमरा Mamiya RZ67 था, लेकिन उन्होंने और भी कई ब्रांड के कैमरों का इस्तेमाल किया है, जैसे- Hasselblad 500 C/M, Minolta SRT-101, Nikon D810, Fuji 6×9 मीडियम फ़ॉर्मेट कैमरा, Canon 5D Mark II और Hasselblad H5D आदि। 1970 में जब लाइबोविट्ज़ अमेरिका लौटीं, तब उन्होंने रोलिंग स्टोन पत्रिका में स्टाफ फ़ोटोग्राफ़र के रूप में अपना करियर शुरू किया। 1973 में प्रकाशक जैन वेनर ने उन्हें रोलिंग स्टोन की चीफ़ फ़ोटोग्राफ़र नियुक्त किया, और इस पद पर उन्होंने 10 साल तक काम किया। वे 1983 तक इस पत्रिका से जुड़ी रहीं। उनकी सेलिब्रिटी की नज़दीकी और निजी अंदाज़ में खींची गई तस्वीरें रोलिंग स्टोन की पहचान बन गईं। रोलिंग स्टोन के लिए काम करते हुए, लाइबोविट्ज़ ने महसूस किया कि वे पत्रिकाओं के लिए असाइनमेंट कर सकती हैं और साथ ही अपने परिवार की निजी तस्वीरों पर भी काम कर सकती हैं, जो उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, "आपको इस तरह का निजी और गहरा काम करने का मौका सिर्फ़ उन्हीं लोगों के साथ मिलता है जिन्हें आप प्यार करते हैं, जो आपके साथ समय और सहनशीलता रखते हैं। वे ही ऐसे लोग हैं जो आपके सामने अपना दिल, आत्मा और ज़िंदगी खोलकर रख देते हैं। आपको उनका ख्याल रखना चाहिए।"

लाइबोविट्ज़ की नई लाइटिंग शैली और गहरे रंगों व अनोखे पोज़ के इस्तेमाल ने उन्हें 1983 में वैनिटी फ़ेयर पत्रिका में जगह दिलाई। उन्होंने अमेरिकन एक्सप्रेस चार्ज कार्ड्स के लिए एक अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन अभियान के तहत मशहूर हस्तियों की तस्वीरें खींचीं, जिसके लिए उन्हें 1987 में क्लिओ अवॉर्ड मिला। 1991 में, लाइबोविट्ज़ ने नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में अपनी प्रदर्शनी लगाई। वे वहाँ प्रदर्शनी लगाने वाली दूसरी जीवित पोर्ट्रेट

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025

एक चीज जो आप मेरे चित्रों में देखते हैं वह यह है कि मैं इन लोगों के साथ प्यार करने में नहीं डरता।- एनी लिबविट्ज

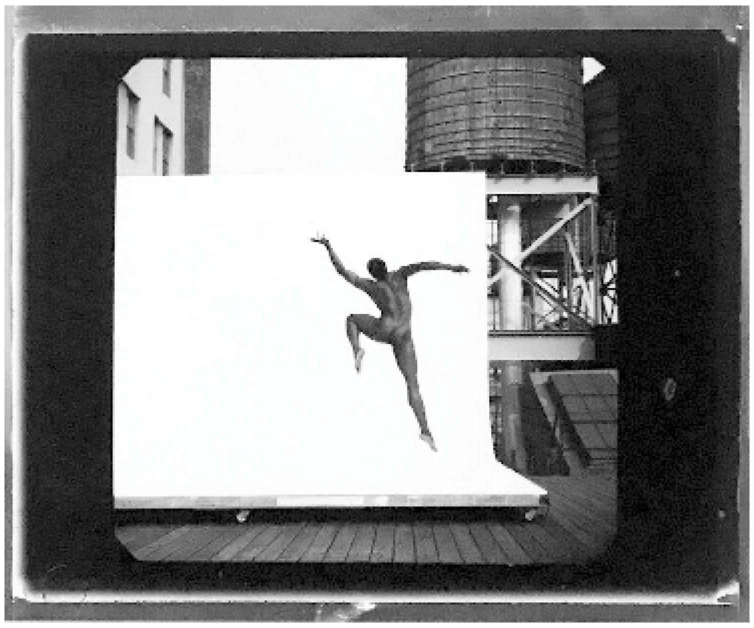

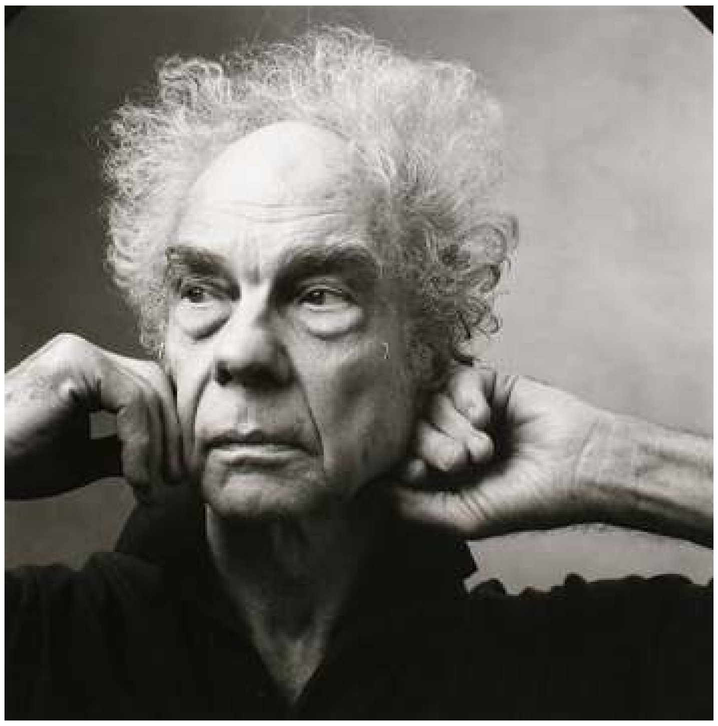

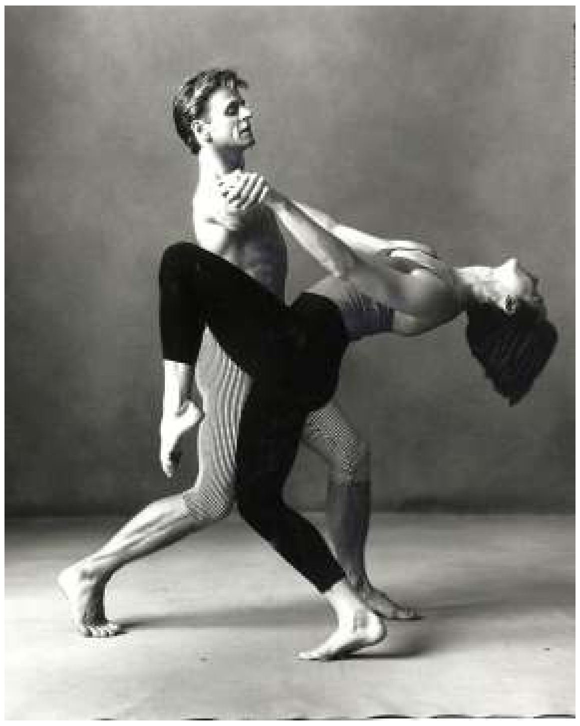

फ़ोटोग्राफ़र और पहली महिला थीं।

2007 में, लाइबोविट्ज़ के काम की एक बड़ी रेट्रोस्पेक्टिव प्रदर्शनी (पिछले कामों का संकलन और प्रस्तुति) ब्रुकलिन म्यूज़ियम में आयोजित की गई। यह प्रदर्शनी उनकी किताब **"एनी लाइबोविट्ज़ ए फोटोग्राफर्स लाइफ, 1990-2005"** पर आधारित थी। इसमें उनकी कई पेशेवर (सेलिब्रिटी) तस्वीरों के साथ-साथ उनके परिवार, बच्चों और उनकी साथी सुसान सोंटाग की निजी तस्वीरें भी शामिल थीं। इस प्रदर्शनी में ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिज़ाबेथ द्वितीय के तीन आधिकारिक पोर्ट्रेट भी शामिल थे। बाद में यह प्रदर्शनी सात और जगहों पर लगाई गई। यह वॉशिंगटन डी.सी. की कॉरकोरन गैलरी ऑफ़ आर्ट में अक्टूबर 2007 से जनवरी 2008 तक, फिर सैन फ्रांसिस्को के पैलेस ऑफ़ द लीजियन ऑफ़ ऑनर में मार्च 2008 से मई 2008 तक प्रदर्शित हुई। फरवरी 2009 में यह प्रदर्शनी जर्मनी के बर्लिन में ले जाई गई। इस प्रदर्शनी में कुल 200 तस्वीरें शामिल थीं।

2007 में, वॉल्ट डिज़्नी कंपनी ने लाइबोविट्ज़ को एक विशेष फ़ोटोग्राफ़ी श्रृंखला बनाने के लिए चुना। इसमें उन्होंने मशहूर हस्तियों (सेलिब्रिटी) की तस्वीरें अलग-अलग किरदारों और दृश्यों में खींचीं। यह काम वॉल्ट डिज़्नी पार्क्स एंड रिज़ॉर्ट्स के "ईयर ऑफ़ अ मिलियन ड्रीम्स" अभियान के लिए था। 2015 में, लाइबोविट्ज़ 2016 के पिरेली (Pirelli) कैलेंडर की मुख्य फ़ोटोग्राफ़र थीं। इस बार उन्होंने कैलेंडर की पारंपरिक शैली से हटकर एक बड़ा बदलाव किया। जहाँ आमतौर पर कामुकता पर ज़ोर होता था, वहाँ उन्होंने प्रशंसा योग्य और प्रेरणादायक महिलाओं को केंद्र में रखा।

लाइबोविट्ज़ की तीन बेटियाँ हैं। उन्होंने अपनी पहली बेटी सारा कैमरन लाइबोविट्ज़ को अक्टूबर 2001 में जन्म दिया, उस समय उनकी उम्र 52 साल थी। मई 2005 में सरोगेट माँ के ज़रिए उनकी जुड़वाँ बेटियाँ सुसान और सैमुएल पैदा हुईं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यहूदी होना उनके लिए महत्वपूर्ण है, तो लाइबोविट्ज़ ने जवाब दिया: **"मैं धार्मिक रूप से यहूदी परंपराओं का पालन नहीं करती, लेकिन मैं अपने आप को बहुत यहूदी महसूस करती हूँ।"**

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

पुरानी तस्वीरों में छुपा नया अवसर: पुराने एलबम को नया जीवन देकर बिज़नेस बढ़ाएँ

हर घर में पुरानी तस्वीरें हैं जो समय के साथ धुँधली पड़ रही हैं। ये तस्वीरें परिवार के इतिहास, अनकही कहानियों और अनमोल पलों की खामोश गवाह होती हैं। प्रोफ़ेशनल फ़ोटोग्राफ़र्स के लिए ये भूली-बिसरी यादें एक बड़े बिज़नेस का अवसर है। इन तस्वीरों को डिजिटाइज़, रिस्टोर और फिर उन्हें खूबसूरत फ़ोटोबुक्स में बदलकर, फ़ोटोग्राफ़र इन यादों में फिर से जान डाल सकते हैं। यह काम उन्हें रचनात्मक संतुष्टि के साथ-साथ मुनाफ़ा कमाने का भी एक अच्छा रास्ता देता है।

क्यों हमें अभी कदम उठाना चाहिए

आज की तेज़-रफ़्तार और मोबाइल-चालित दुनिया में तस्वीरें ज़्यादातर हमारे फोन या क्लाउड स्टोरेज में पड़ी रहती हैं और अक्सर भुला दी जाती हैं, या फिर टेक्नोलॉजी बदलने पर डिलीट भी हो जाती हैं। वहीं, दशकों पुरानी हमारी पारिवारिक तस्वीरें, जो कागज़ पर छपी हैं, धीरे-धीरे धुँधली हो रही हैं। कागज़ गलने लगता है, रंग बदल जाते हैं, और वे लोग जो इनके पीछे की कहानियाँ जानते हैं, वे भी उम्रदराज़ हो रहे हैं। जितना हम डिजिटाइजेशन टालते रहेंगे, उतना ही हर साल कुछ अनमोल विवरण और यादें हमेशा के लिए खो जाएँगी।

आज पुरानी फोटोबुक्स को नया जीवन दिया तो जा रहा है, लेकिन बहुत ही छोटे पैमाने पर। अगर ज़्यादा फ़ोटोग्राफ़र इस विचार को बढ़ावा दें, तो यह एक बड़ा अवसर बन सकता है। जो न केवल क्लाइंट्स को फ़ायदा देगा बल्कि पूरी फ़ोटोग्राफ़ी इंडस्ट्री को मज़बूती भी देगा। इन तस्वीरों को सहेजने का मतलब सिर्फ़ पुरानी यादों को ताज़ा करना नहीं है, बल्कि यह हमारी पारिवारिक धरोहर को सुरक्षित रखने का काम है। जब हम इन यादों को एक सुंदर, नई प्रिंटेड एल्बम का रूप देते हैं, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने परिवार के इतिहास को देख सकेंगी, छू सकेंगी और उससे जुड़ सकेंगी। यह एक ऐसा तरीका है जो अस्थायी डिजिटल स्टोरेज से कहीं ज़्यादा समय तक चलता है।

हर घर में छुपा नया अवसर

हर परिवार के पास पुरानी तस्वीरें होती हैं। अगर हम पूरे मोहल्ले और शहर के हिसाब से देखें, तो यह एक बहुत बड़ा अवसर है। ज़्यादातर लोग इन तस्वीरों को संभालकर रखना चाहते हैं, लेकिन उनके पास इन्हें सहेजने के लिए समय, साधन या ज़रूरी जानकारी नहीं होती।

एक प्रोफ़ेशनल सेवा में क्या-क्या हो सकता है:

- परिवार के बुज़ुर्गों की मदद से, तस्वीरों में मौजूद लोगों, जगहों और मौकों के बारे में जानना और पहचानना।
- धुंधली या खराब हो चुकी तस्वीरों को सुधारना और निखारना।
- एक ऐसी विज़ुअल टाइमलाइन बनाना जो पूरी कहानी को क्रम में बताए।
- यादों को ज़िंदा करने वाली प्रीमियम फोटोबुक्स डिज़ाइन और प्रिंट करना।

इसका नतीजा सिर्फ़ स्कैन की गई फ़ाइलों का ढेर नहीं होगा, बल्कि एक प्रिंटेड धरोहर होगी।

फ़ोटोग्राफ़र्स ही इस काम के लिए सबसे उपयुक्त क्यों हैं:

अक्सर लोग सोचते हैं कि स्कैन करना आसान काम है, लेकिन एक साधारण स्कैन और प्रोफ़ेशनल तरीके से बनाए गए विरासत एलबम के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है।

फ़ोटोग्राफ़र क्या करते हैं:

1. **संग्रहण ज्ञान:** पुरानी तस्वीरों के रंग सुधारना, धूल हटाना और उनकी प्रामाणिकता को बनाए रखना।
2. **कहानी कहने की कला:** तस्वीरों को ऐसे क्रम में सजाना जिससे एक दिलचस्प कहानी बने।
3. **प्रिंट विशेषज्ञता:** तस्वीरों को इस तरह तैयार करते हैं कि वे अच्छी क्वालिटी के प्रिंट में निकलें और लंबे समय तक सुरक्षित रहें।
4. **डिज़ाइन की समझ:** ऐसे लेआउट बनाना जो उस समय को दर्शाएं और तस्वीरों की सुंदरता बढ़ाएँ।

यह काम कला, इतिहास और भावनाओं का एक मिला-जुला रूप है।

कैसे शुरूआत करें:

1. **एक व्यक्तिगत सैंपल तैयार करें:** अपनी ही पारिवारिक एलबम से शुरूआत करें। 30-50 तस्वीरों पर काम करके एक कार्यप्रणाली तैयार करें और एक सैंपल पोर्टफ़ोलियो बनाएं।
2. **तस्वीरें इकट्ठा करें और जाँचें:** तस्वीरों को इवेंट या दशकों के अनुसार श्रेणियों में बांटें। खराब या फटी तस्वीरों के लिए अलग "ध्यान देने योग्य" ढेर बना लें।
3. **तुरंत विवरण लिखें:** बड़ों के साथ बैठकर नाम/तारीख/स्थान नोट करें। (पोस्ट-इट पर लिखें, तस्वीर पर कभी नहीं)। कहानियों को आवाज़ में रिकॉर्ड भी करें।
4. **स्कैन करें और बैकअप लें:** हाई-रिज़ॉल्यूशन स्कैनर का उपयोग करें। आर्काइव के लिए TIFF और शेयर करने के लिए JPEG फ़ॉर्मेट में सेव करें। कम से कम दो डिवाइस पर बैकअप रखें।
5. **डिजिटल रूप से सुधारें और व्यवस्थित करें:** धूल, खरोंच और फीकेपन को एडिट करें, पर प्रामाणिकता बनाए रखें। फोल्डरों को साफ़-साफ़ नाम देकर तस्वीरों को व्यवस्थित करें।
6. **अंतिम आउटपुट डिज़ाइन करें:** उच्च गुणवत्ता की डिजिटल कॉपियाँ और एक खूबसूरत प्रिंटेड फ़ोटोबुक तैयार करें। तस्वीरों को ऐसे क्रम में रखें जिससे एक स्पष्ट और आकर्षक कहानी बने। डिजिटल कॉपी आसानी से शेयर और बैकअप की जा सकती है, जबकि प्रिंटेड एलबम एक ठोस, स्थायी विरासत प्रदान करते हैं जिसे परिवार संभाल कर रख सकते हैं, प्रदर्शित कर सकते हैं और पीढ़ियों तक आगे बढ़ा सकते हैं।
7. **प्रोफेशनल तरीके से डिलीवरी करें:** फ़ोटोबुक के साथ डिजिटल फ़ाइलों वाली USB और "परिवार का इतिहास" पेज पैक करके दें।

पुरानी तस्वीरों को प्रोफ़ेशनल तरीके से व्यवस्थित करना:

क्लाइंट्स को साफ़-सुथरा और व्यवस्थित काम पसंद आता है:

- स्कैन करने से पहले तस्वीरों को भौतिक रूप से अलग-अलग करें।
- व्यवस्थित करने और लेबलिंग के लिए पोस्ट-इट और एसिड-फ्री लिफ़ाफ़ों का उपयोग करें।
- एक समय में सिर्फ़ एक ही श्रेणी (कैटेगरी) को स्कैन करें।
- विवरण और तारीखों के साथ एक मास्टर इंडेक्स स्प्रेडशीट बनाएं।
- सही कैप्शन को सही तस्वीर से मिलाएँ।
- कंप्यूटर पर फ़ोल्डर का एक ऐसा क्रम (हाइरार्की) उसी तरह रखें, जैसी तस्वीरों की भौतिक (फिज़िकल) व्यवस्था है।

वैल्यू कैसे बढ़ाएं: स्कैन से आगे बढ़कर

आप ये अतिरिक्त सेवाएँ देकर दूसरों से अलग दिख सकते हैं:

- कैप्शनिंग और मेटाडाटा जोड़ना।
- पुरानी और नई तस्वीरों को मिलाकर प्रस्तुत करना।
- फ़ोटोबुक में QR कोड के ज़रिए वीडियो कहानियाँ जोड़ना।
- थीम्ड कलेक्शन बनाना - जैसे शादी, छुट्टियाँ या किसी खास दशक (जैसे 1970, 1980, 1990)।
- डुप्लिकेट फ़ोटोबुक तैयार करना ताकि गिफ़्ट के रूप में दिया जा सके।

मार्केटिंग का तरीका:

यादें धुंधली होने से पहले परिवारों को इस पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करें:

- सोशल मीडिया पर जागरूकता फैलाएँ।
- सोशल मीडिया पर पहले और बाद की रिस्टोरेशन की झलकियाँ साझा करें।
- जहाँ भी संभव हो, फिज़िकल फ़ोटोबुक का सैंपल दिखाएँ।
- छोटी प्रदर्शनियों में भाग लें।

भावनात्मक जुड़ाव बनाना:

इस बिज़नेस में भावनाएँ बहुत मायने रखती हैं। ऐसी भाषा का उपयोग करें जैसे:

- "इससे पहले कि कहानियाँ धुंधली हो जाएँ, आइए हम उन्हें संजो कर रखें।"
- "आपके परिवार की कहानी खूबसूरती से सुनाए जाने लायक है।"

जब ग्राहक इसे विरासत को बचाने का काम समझते हैं, तो कीमत उनके लिए ज़्यादा मायने नहीं रखती।

मूल्य निर्धारण (प्राइसिंग) और पैकेजिंग:

क्लाइंट्स को चुनने के लिए अलग-अलग स्तर के विकल्प दे सकते हैं:

- **बेसिक:** सिर्फ़ स्कैनिंग, हल्की-फुल्की करेक्शन और एक साधारण फ़ोटोबुक।
- **स्टैंडर्ड:** इसमें पूरी तरह से तस्वीरों को ठीक करना, कैप्शन जोड़ना और प्रीमियम फ़ोटोबुक।
- **प्रीमियम:** सबकुछ शामिल जिसमें लग्ज़री फ़ोटोबुक और वीडियो नैरेटिव्स के साथ।

निजी प्रतिबद्धता:

मैं अपने ही परिवार की एलबम से शुरूआत कर रहा हूँ, जिनमें ज़्यादातर ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीरें हैं। मेरी 85 वर्षीय माँ को अब भी कई चेहरे, जगहें और घटनाएँ साफ़-साफ़ याद हैं। मैं उनकी यादों को हर तस्वीर के साथ रिकॉर्ड करूँगा ताकि एक स्थायी आर्काइव बन सके। यही मेरा पहला शोकेस प्रोजेक्ट होगा, जो आगे चलकर क्लाइंट्स को प्रेरित करेगा।

बड़ा नज़रिया:

नई-नई फ़ोटोग्राफ़ी ट्रेंड्स के पीछे भागते हुए हम कभी-कभी उन खज़ानों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जो पहले से हमारे पास मौजूद हैं। पुरानी तस्वीरों को डिजिटाइज़ और सुरक्षित रखना न सिर्फ़ एक व्यवसाय का अवसर है, बल्कि एक सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी भी है। यह पारिवारिक रिश्तों को मज़बूत करता है, इतिहास को मिटने से बचाता है और भूली-बिसरी तस्वीरों को हमेशा संजोकर रखने लायक यादगार में बदल देता है।

अंतिम विचार:

अगली बार जब आप किसी पुराने एल्बम को धूल खाते हुए देखें, तो उसे फीके पड़ते कागज़ की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे अनदेखे व्यापार के अवसर के रूप में देखें, जिसे केवल आप अपनी कला और कौशल से फिर से जीवित कर सकते हैं।

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

सोनी द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

सोनी द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप, बस्ती (06 अगस्त 2025)

सोनी द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप, गोरखपुर (07 अगस्त 2025)

सोनी द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप, अमरोहा (12 अगस्त 2025)

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025

फोटोग्राफी वह कहानी है, जिसे मैं शब्दों में बयां करने में विफल हो जाता हूँ। - डेस्टिन स्पार्क्स

फोटो वीडियो एशिया 2025, 29-31 अगस्त, प्रगति मैदान, नई दिल्ली

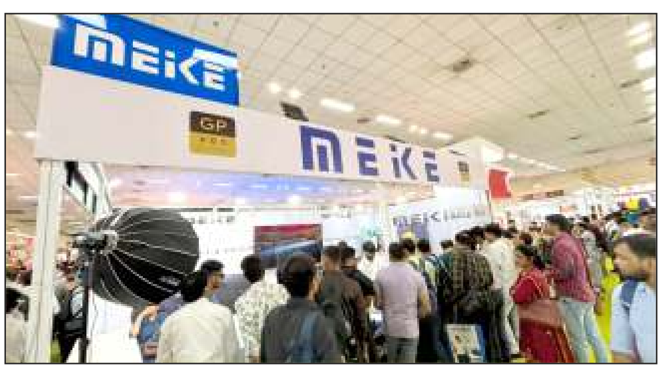

कैमरा मोड - शटर प्रायोरिटी मोड

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

हेलो दोस्तों, उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। पिछली बार हम सब ने कैमरे के बेसिक सेटिंग्स के बारे में डिसकस किया था। इस बार हम लोग कैमरा मोड्स के बारे में डिटेल्ड में डिस्कशन करेंगे। अगर फोटोग्राफी में आपको इम्प्रूव करना हैं तो कैमरा मोड्स के बारे में जानकारी होना बहुत ही जरूरी होता हैं। कैमरे में 4 इम्पोर्टेन्ट मोड्स होते हैं:

- **प्रोग्राम ऑटो मोड**
- **शटर प्रायोरिटी मोड**
- **अपर्चर प्रायोरिटी मोड**
- **मैन्युअल कैमरा मोड**

पिछले अंक में प्रोग्राम ऑटो मोड के बारे में बताया गया था इस बार हम लोग शटर प्रायोरिटी मोड को समझने की कोशिश करेंगे।

फोटोग्राफी एक आर्ट है जिसमे लाइट और टाइमिंग दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन ज़रूरी होता है इस आर्ट को मास्टर करने के लिए कैमरा के डिफरेंट मोड्स को समझना बहुत इम्पोर्टेन्ट है। उन्ही मोड्स में से एक पावरफुल और बिगिनर - फ्रेंडली मोड है - Shutter Priority Mode, जिसे कॉमनली "S" या "Tv" मोड के नाम से भी जाना जाता है।

Shutter-Priority-Mode

Shutter Speed क्या होती है?

Shutter speed वह टाइम होता है कि फोटो को क्लिक करते वक़्त आपके कैमरे का शटर कितनी देर के लिए ओपन रहेगा। यह स्पीड milli seconds (1/1000 sec) से लेकर कुछ seconds जैसे 1 sec, 5 sec तक हो सकती है Fast Shutter Speed (e.g., 1/1000 sec) - मोशन को फ्रीज करता है। ये स्पीड एक्शन शॉट्स के लिए एकदम परफेक्ट होती हैं। Slow Shutter Speed e.g., 1/10 sec or 1 sec - मोशन ब्लर क्रिएट करता है। मोशन ब्लर का मतलब है कि आपका मूविंग सब्जेक्ट ब्लर या स्मूथ इफ़ेक्ट दिखाएगा। लो लाइट सिचुएशंस के लिए ये मोड काफी हद तक काम आता हैं। हम इस मोड को लो लाइट, लॉन्ग एक्सपोज़र, और क्रिएटिव इफेक्ट्स जैसे लाइट ट्रेल्स वग़ैरा के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

Shutter Priority Mode क्या होता हैं

Shutter Priority Mode एक semi-automatic mode होता है, जिसमे आप शटर स्पीड मैन्युअली सेट करते हैं, और कैमरा करेक्ट एक्सपोज़र को मेन्टेन करने के लिए ऑटोमेटिकली अपर्चर (f-stop) एडजस्ट करता है। इसका मतलब हुआ कि आप ये डिसाइड करते हैं कि शटर कितने समय के लिए ओपन रहेगा, और कैमरा उसी के हिसाब से अपनी लाइट बैलेंस करेगा। इस मोड को DSLR, Mirrorless, और कुछ एडवांस्ड Point - Shoot कैमरा में यूज़ किया जा सकता है।

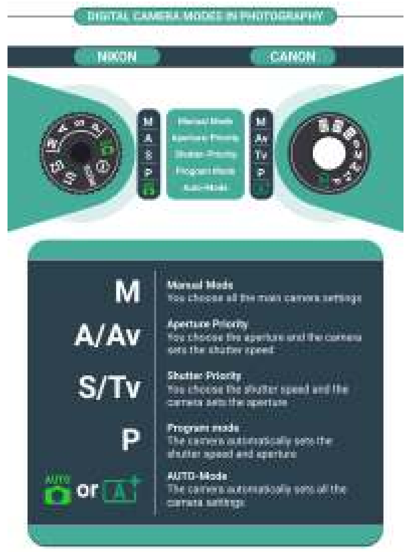

Digital-camera-modes-infographic

Example:

- आप अगर फोटो खींचते वक़्त फ़ास्ट शटर स्पीड सेट कर रहे हैं जैसे - 1/1000 sec तो, कैमरा ऑटोमेटिकली अपर्चर को ज़्यादा ओपन करेगा ताकि आपके सब्जेक्ट को परफेक्ट एक्सपोज़र मिल सके।
- अगर आप स्लो शटर स्पीड रखते हैं जैसे 1/10 sec तो कैमरा अपर्चर को कम ओपन करेगा या ISO एडजस्ट करेगा ताकि फोटो ओवरएक्सपोज़्ड न हो।

Shutter Priority Mode का यूज़ कब करते हैं?

Shutter Priority Mode उन सिचुएशंस के लिए बेस्ट है जहाँ मोशन कण्ट्रोल आपके लिए सबसे इम्पोर्टेन्ट होता है। यहाँ कुछ कॉमन सिनेरियोस हैं :

Fast Shutter Speed

Slow Shutter Speed

1. Sports Photography / Action शॉट्स

अगर आप फ़ास्ट मूविंग सब्जेक्ट्स को शूट कर रहे हो - जैसे cricket, football, या डांस परफॉरमेंस - तो आपको फ़ास्ट शटर स्पीड चाहिए होगी (1/500 sec या faster)। आप शटर प्रायोरिटी मोड सेट करो, डिज़ायर शटर स्पीड चूज करो, और कैमरा अपर्चर को ऑटो एडजस्ट करने दो।

2. Wildlife Photography

Birds in flight या एनिमल्स के मूवमेंट्स को कैप्चर करने के लिए भी फ़ास्ट शटर स्पीड मस्ट है।

3. Panning शॉट्स

Panning एक तकनीक है जिसमे आप मूविंग सब्जेक्ट को ट्रैक करते हो। इसमें मध्यम shutter speed - 1/30 to 1/60 sec यूज़ होती है, ताकि सब्जेक्ट शार्प आये और बैकग्राउंड ब्लर हो। ऐसा करने से एक ड्रामेटिक इफ़ेक्ट मिलता है।

4. Light Trails & Motion Blur

क्रिएटिव फोटोग्राफी जहाँ आप ट्रैफिक लाइट ट्रेल्स, वाटरफॉल्स, या स्टार ट्रेल्स शूट करना चाहते हो - वहां स्लो शटर स्पीड का यूज होता है।

5. Low Light Conditions

लो लाइट में अगर आप ट्राइपॉड यूज़ कर रहे हो, तो स्लो शटर स्पीड हेल्पफुल होती है। मैन्युअल अपर्चर सेट करने की ज़रूरत नहीं होती, कैमरा ऑटोमेटिकली लाइट मैनेज करता है।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही, उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा, अगले अंक में हम इसी टॉपिक को और डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे, अपना बहुत ख्याल रखें।

कैनन द्वारा उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप

प्री-वेडिंग सिनेमैटोग्राफी वर्कशाप, लखनऊ (07 अगस्त 2025)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशाप, कानपुर (12 अगस्त 2025)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशाप, मुगलसराय (12 अगस्त 2025)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशाप, रायबरेली (12 अगस्त 2025)

ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशाप, बलिया (17 अगस्त 2025)

फोटोवॉक, वाराणसी (18 अगस्त 2025)

मेकअप आर्टिस्ट एवं सैलून के लिए ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशाप, वाराणसी (19 अगस्त 2025)

ब्राइडल सिनेमैटोग्राफी वर्कशाप, अयोध्या (22 अगस्त 2025)

वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशाप, बस्ती (22 अगस्त 2025)

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025

कोई भी जगह बोरिंग नहीं होती है अगर रात में आपने भरपूर नींद ली है और जेब में रोल है। -रॉबर्ट एडम्स

वर्ल्ड फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

लखनऊ में वरिष्ठ फोटोग्राफर का सम्मान

गाजियाबाद में वरिष्ठ फोटोग्राफर का सम्मान

शाहजहाँपुर में वृक्षारोपण

कानपुर में वृक्षारोपण

रायपुर, छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ फोटोग्राफर का सम्मान एवं फोटो प्रतियोगता

बाराबंकी में तिरंगा यात्रा

विभिन्न जिलों में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप एवं अन्य कार्यक्रम

फोटोग्राफर्स मिलन समारोह PAUP द्वारा आयोजित,
जालौन (12 अगस्त 2025)

PAUP द्वारा आयोजित दिनेश जगवानी की वर्कशाप,
खजुराहो (18-19 अगस्त 2025)

PAUP द्वारा आयोजित लखन आहूजा की वर्कशाप,
खजुराहो (18-19 अगस्त 2025)

न्यू बनारस कैमरा सोसाइटी द्वारा वर्कशॉप एवं गोष्ठी,
वाराणसी (19 अगस्त 2025)

फुजीफिल्म एवं गौतम वारिया द्वारा सिनैमैटिक वर्कशॉप,
कुशीनगर (22 अगस्त 2025)

फुजीफिल्म एवं गौतम वारिया द्वारा सिनैमैटिक वर्कशॉप,
देवरिया (23 अगस्त 2025)

फुजीफिल्म एवं गौतम वारिया द्वारा सिनैमैटिक वर्कशॉप,
महाराजगंज (24 अगस्त 2025)

पैनासोनिक द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप,
करीमगंज (26 अगस्त 2025)

PAUP एवं Zhiyun द्वारा गिम्बल वर्कशॉप,
लखनऊ (27 अगस्त 2025)

पैनासोनिक द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप,
कुशीनगर (28 अगस्त 2025)

PAUP द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप,
ललितपुर (31 अगस्त 2025)

फुजीफिल्म एवं PAUP द्वारा दो दिवसीय दिव्यम मेहरोत्रा की
फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (3-4 सितम्बर 2025)

4th EDITION
INDIA photo video EXPO
UTTAR PRADESH
DON'T MISS
A Complete Exhibition PHOTO, VIDEO, DIGITAL IMAGING, FRAME & ALBUM Industry
ORGANISERS
BUY SELL interactions
CELEBRATING 25th YEAR
MEDIA PARTNER
स्टूडियो न्यूज
SUPPORTED BY
PAUP
PHOTOGRAPHERS ASSOCIATION UTTAR PRADESH
Fri 19 Sat 20 Sun 21 SEPTEMBER 2025
INDIRA GANDHI PRATISHTHAN
Vibhuti Khand Near High Court Building, Gomti Nagar
LUCKNOW, UTTAR PRADESH
For Details Contact : +91 73090 18387 / 98397 45698
CONCURRENT SHOW
DPS EXPO
DIGITAL PRINT & SIGN
FORTHCOMING EVENTS
NEW DELHI
INDIA PHOTO EXPO 2026
NEW DELHI
INDIA FRAME & GIFT EXPO
PICTURE FRAME GIFTING SOLUTIONS
20, 21 & 22 MARCH 2026
Pragati Maidan, NEW DELHI
For Stall Booking Contact : BUYSELL INTERACTIONS PRIVATE LIMITED
70924 89181 / 63694 52532 / 70137 56679 / 93457 1334 info@buysellint.biz, www.buysellint.com

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 सितम्बर 2025 से 5 अक्टूबर 2025

फोटोग्राफी जीवन को प्रकाशमय करने का एक साधन है। - सैम एबल

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in